प्रदेश के नये मुख्य सचिव श्री अवनि वैश्य

कर्म-पथ पर एक कदम और आगे

छाया : खलीक

कुशल प्रशासक श्री अवनि वैश्य का जन्म 4 अप्रैल, 1952 को राजस्थान में हुआ। श्री वैश्य ने जयपुर के सेंट जेवियर स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद सेंट स्टीफन कॉलेज नई दिल्ली और राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से स्नातक शिक्षा (बी.ए.) तथा स्नातकोत्तर शिक्षा एम.ए. (इतिहास) में पूर्ण की। वर्ष 1993 में श्री वैश्य ने मेनचेस्टर (यू.के.) से एम.ए. इकॉनामिक्स इन डेवलपमेंट एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट (स्नातकोत्तर डिग्री) हासिल की। श्री वैश्य ने वर्ष 1975 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रवेश लिया। वन्य जीवन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति विशेष रुचि रखने वाले श्री अवनि वैश्य हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं के साथ-साथ उर्दू भाषा के भी अच्छे जानकार हैं। श्री वैश्य को वर्ष 1992 में सुपर टाइम स्केल दिया गया। उन्हें वर्ष 2002 में प्रमुख सचिव के वेतनमान में तथा वर्ष 2009 में मुख्य सचिव के वेतनमान में पदोन्नत किया गया।

श्री वैश्य भारतीय प्रशासनिक सेवा में मध्यप्रदेश तथा केन्द्र सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थ रहे। श्री वैश्य 19 जुलाई, 1975 से 28 मार्च, 1977 तक सहायक कलेक्टर सागर, इसके बाद 13 अक्टूबर, 1978 तक एसडीओ बड़वानी, 24 अक्टूबर 1978 से 6 अक्टूबर, 1979 तक एसडीओ सिरोंज तथा कुछ समय के लिए कलेक्टर विदिशा के पद पर भी रहे। आप 11 अक्टूबर, 1979 से 30 जून, 1981 तक योजना प्रशासक बारना-हलाली CADA प्रोजेक्ट और 30 जून, 1981 से 26 जून, 1982 तक अतिरिक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएँ म.प्र. के पद पर पदस्थ रहे। श्री वैश्य 6 जुलाई, 1982 से 8 अप्रैल, 1983 तक कलेक्टर जिला शाजापुर के पद पर रहे।

श्री वैश्य की पदस्थापना 18 अप्रैल, 1983 को उप सचिव आवास एवं पर्यावरण विभाग के पद पर की गयी तथा इसके साथ ही उन्हें कार्यकारी संचालक एप्को का दायित्व भी सौंपा गया। श्री वैश्य को 30 जून, 1986 को प्रबंध संचालक मत्स्य विकास निगम के साथ-साथ विशेष सचिव मछलीपालन एवं पशु पालन विभाग बनाया गया।

श्री वैश्य भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति पर 5 जनवरी, 1988 से 30 जून, 1989 तक उप सचिव वन एवं पर्यावरण मंत्रालय पदस्थ रहे। इसके बाद एक जुलाई 1989 को उन्हें निदेशक पर्यावरण और वन नियुक्त किया गया। इस पद पर उन्होंने 4 जनवरी, 1993 तक अपनी सेवाएं प्रदान कीं। भारत सरकार से प्रतिनियुक्ति से लौटने पर 4 फरवरी, 1993 से श्री वैश्य म.प्र. गृह निर्माण मण्डल के आयुक्त के पद पर पदस्थ हुए। इसके बाद 17 अक्टूबर, 1994 को उन्हें सचिव आवास एवं पर्यावरण विभाग, महानिदेशक एप्को और सचिव जन शक्ति नियोजन विभाग बनाया गया और 16 जनवरी 1995 को उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भी सौंपा गया। श्री वैश्य ने 23 मार्च, 1996 तक इन दायित्वों को संभाला।

मार्च 1996 से अक्टूबर 2003 तक श्री वैश्य प्रतिनियुक्ति पर वाशिंगटन (यू.एस.ए.) विश्व बैंक की जीईएफ में पीडीएफ कॉर्डिनेटर के पद पर रहे। विदेश सेवा से लौटने के पश्चात श्री वैश्य को 6 जनवरी, 2004 को प्रदेश में आयुक्त एवं प्रमुख सचिव पर्यावरण विभाग के साथ-साथ महानिदेशक एप्को के पद पर पदस्थ किया गया। श्री वैश्य को 19 मई, 2004 को वन विभाग म.प्र. का प्रमुख सचिव बनाया गया। इस प्रकार श्री वैश्य ने अपने सेवाकाल में लगभग 22 वर्ष राज्य, केन्द्र तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण से संबंधित पदों पर व्यतीत किया है। श्री वैश्य ने इसके बाद 4 जून, 2007 से 3 नवम्बर, 2007 तक प्रमुख सचिव वाणिज्य, उद्योग तथा रोजगार और सार्वजनिक उपक्रम विभाग का दायित्व संभाला।

पांच नवम्बर, 2007 को श्री अवनि वैश्य को भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति पर (ट्राईफेड) आदिवासी सहकारी विपणन भारतीय संघ (लि.) में प्रबंध संचालक पद का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। भारत सरकार से प्रतिनियुक्ति से लौटने पर 25 जनवरी, 2010 को श्री अवनि वैश्य ने प्रदेश में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग के पद का कार्यभार संभाला। एक फरवरी, 2010 को श्री अवनि वैश्य ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव का कार्यभार ग्रहण किया।

❖